A-0173

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL–611

M.A. HINDI (MAHL)

[उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग दो)]

4th Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गढ़वाली लोकसाहित्य के क्रमिक विकास की विस्तृत विवेचना कीजिए।

2. गढ़वाली लोकगीतों के विकास एवं उसकी प्रवृत्तियों पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

3. गढ़वाली लोकगाथाओं पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

4. लोक कथा से क्या तात्पर्य है ? किसी एक गढ़वाली लोक कथा को हिन्दी भाषा में लिखिए।

5. गढ़वाली लोककथाओं का वर्गीकरण करते हुए उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गढ़वाली लोकसाहित्य का वर्गीकरण कीजिए।

2. गढ़वाली लोक गाथागीतों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

3. जागर लोकगाथा क्या है ?

4. गढ़वाली लोककथा 'गंगू रमौला' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. गढ़वाली लोककथाओं की किन्हीं **तीन** प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

6. डॉ॰ चातक द्वारा उल्लिखित गढ़वाली लोककथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

7. गढ़वाली लोकसाहित्य के वर्तमान स्वरूप को संक्षेप में लिखिए।

8. गढ़वाली लोकसाहित्य की चुनौतियों को संक्षेप में रेखांकित कीजिए।

****